हिन्दी / HINDI

प्रश्न-पत्र I / Paper I

(साहित्य) / (LITERATURE)

2020

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : **Three Hours**

अधिकतम अंक : **250**
Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

कुल आठ प्रश्न हैं, जो दो खण्डों में विभाजित हैं ।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं ।

प्रश्न सं. 1 और 5 अनिवार्य हैं और शेष में से तीन प्रश्नों का उत्तर दिया जाना है, जिनमें प्रत्येक खण्ड में से कम-से-कम एक प्रश्न होना चाहिए ।

प्रत्येक प्रश्न / भाग के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे ।

जिन प्रश्नों के संबंध में अधिकतम शब्द संख्या निर्धारित है, वहाँ इसका अनुपालन किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तर की गणना संख्यात्मक क्रम में की जाएगी । यदि किसी प्रश्न को काटा नहीं गया, तो उस प्रश्न को गिन लिया जाएगा भले ही उसका उत्तर आंशिक तौर पर क्यों न लिखा गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

*Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

SECTION A

Q1. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : *10×5=50*

(a) अपभ्रंश और प्रारम्भिक हिन्दी के व्याकरणिक स्वरूप में प्रमुख अंतर *10*

(b) खड़ी बोली के विकास में संत साहित्य की भूमिका *10*

(c) तकनीक की भाषा के रूप में हिन्दी का विकास *10*

(d) हिन्दी के स्वरूप-निर्धारण में भारतेन्दु युग का योगदान *10*

(e) देवनागरी लिपि का मानक स्वरूप *10*

Q2. (a) मानक हिन्दी की व्याकरणिक विशेषताएँ बताइए । *20*

(b) स्वातन्त्र्योत्तर भारत की संवादी भाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग की चुनौतियाँ क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए । *15*

(c) सूफ़ी कवियों द्वारा प्रयुक्त अवधी के स्वरूप पर विचार कीजिए । *15*

Q3. (a) उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली की प्रतिष्ठा के प्रमुख कारण क्या थे ? स्पष्ट कीजिए । *20*

(b) भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग की प्रमुख चुनौतियों का उल्लेख कीजिए । *15*

(c) खुसरो द्वारा प्रयुक्त खड़ी बोली के स्वरूप का विवेचन कीजिए । *15*

Q4. (a) स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिन्दी के प्रचार-प्रसार में अहिन्दी भाषी व्यक्तित्वों के योगदान की चर्चा कीजिए । *20*

(b) ब्रज और खड़ी बोली का अन्त:संबंध बताइए । *15*

(c) ज्ञान-विज्ञान की हिन्दी के विकास में पारिभाषिक शब्दावली क्यों आवश्यक है ? समझाइए । *15*

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

SECTION B

Q5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : *10×5=50*

(a) हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य के इतिहास-लेखन की दृष्टि *10*

(b) सिद्ध और नाथ साहित्य का परवर्ती हिन्दी साहित्य पर प्रभाव *10*

(c) समकालीन चिंतकों की दृष्टि में कबीर का साहित्य *10*

(d) भारतेन्दु के नाट्य-कर्म की लोकोन्मुखता *10*

(e) डॉ. नगेन्द्र का हिन्दी आलोचना को योगदान *10*

Q6. (a) प्रसाद के नाटकों में व्यक्त राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना को स्पष्ट कीजिए । *20*

(b) "भारतीय नवजागरण हिन्दी गद्य के विकास की आधार-भूमि है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । *15*

(c) घनानंद की कविता में व्यक्त स्वानुभूति और स्वच्छंदता का विवेचन कीजिए । *15*

Q7. (a) भीष्म साहनी के उपन्यासों में निहित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए । *20*

(b) हिन्दी रंगमंच के विकास में मोहन राकेश का योगदान बताइए । *15*

(c) रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना-दृष्टि पर स्वाधीनता आंदोलन के प्रभाव की चर्चा कीजिए । *15*

Q8. (a) कुबेरनाथ राय के ललित निबंधों के सांस्कृतिक पक्ष पर विचार कीजिए । *20*

(b) कृष्णा सोबती के कहानी-लेखन में स्त्री-विमर्श का संदर्भ बताइए । *15*

(c) हिन्दी की व्यावहारिक आलोचना का विवेचन कीजिए । *15*

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009